Sem-3, Se-301, By- Dr. Shyam Bihari Choudhary
TOPIC- Educational Programme for Locomotor disable children

Camlin Page 2
Date 09/10/2020

आगे बढ़ने के समुचित अवसर इन्हें प्राप्त हो सकें। इस दृष्टि से इनको प्रदान किए जाने वाले अधिगम अनुभवों, क्रियाओं तथा मार्गदर्शन में निम्न बातों को अवश्य ही ध्यान में रखा जाना चाहिए :

(1). 1. स्वावलम्बी Independent बनाने के प्रयत्नों से सम्बन्धित क्रियाएँ तथा अनुभव प्रदान किए जाने चाहिए। उन्हें ऐसा प्रशिक्षण देना चाहिए ताकि वे अपने आप अपनी गति बैठने-उठने, चलने-फिरने तथा अंग सञ्चालन को अच्छी तरह से पूर्ण विश्वास के साथ नियंत्रित कर सकें। किन्हीं विशेष अंगों, यांत्रिक साधनों, उपकरणों जिनकी उन्हें अपनी विकलांगता/अक्षमता संबंधी कमी को पूरा करने के लिए आवश्यकता पड़ती है उसके अच्छी तरह उपयोग करने में उन्हें काफी प्रवीण बना देना उनके पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग होना चाहिए

(2) उनके पाठ्यक्रम में ऐसे अनुभव शामिल किये जाने चाहिए जो उनमें अपनी शारीरिक कमजोरी या अपंगता के बावजूद उन्हें जीवन में सफल होने तथा आत्म विश्वास से परिपूर्ण रहने में अधिक से अधिक सहायता कर सके।

(3) इन बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न पाठांतर क्रियाओं को इनकी सुविधाओं की दृष्टि से आयोजित करने के प्रयत्न होने चाहिए जैसे इन्हें अपने जैसे बालकों के साथ खेल कूद - या शारीरिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर देना ...